अध्याय 2

इस निष्पादन लेखापरीक्षा के प्रति हमारा दृष्टिकोण

हाइड्रोकार्बन अन्वेषण ओएनजीसी के मुख्य कार्यकलापों में एक होने के कारण कई वर्षों से इस पर लेखापरीक्षा द्वारा अध्ययन किया गया है जैसा कि इस प्रतिवेदन की प्रस्तावना में उल्लेख किया गया है, ओएनजीसी के अन्वेषण कार्यकलापों का निष्पादन लेखापरीक्षा किया गया और सीएजी लेखापरीक्षा प्रतिवेदन 2008, 2009-10 और 2010-11 में छापा गया है।

2.1 लेखापरीक्षा उद्देश्य

इस निष्पादन लेखापरीक्षा द्वारा ओएनजीसी अन्वेषण निष्पादन का एक वैश्विक दृष्य प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। लेखापरीक्षा उद्देश्य **यह पता लगाना था कि क्या राष्ट्र और ओएनजीसी के अपने परिकल्पित हाइड्रोकार्बन लक्ष्य प्राप्त करने के लिए ओएनजीसी अन्वेषण प्रयास समुचित योजना के साथ किए गए थे तथा दक्षता और प्रभावकारिता के साथ कार्यान्वित किए गए थे। निम्नलिखित मुद्दों की जांच की गई है:**

- क्या ओएनजीसी अन्वेषण प्रयास के परिणाम संतोषजनक हैं?
- क्या ओएनजीसी ने प्रभावी और मितव्ययता से अन्वेषण प्रक्रिया आगे बढ़ाई?
- क्या ओएनजीसी के पास हाइड्रोकार्बन अन्वेषण के लिए अपेक्षित क्षमता है?
- क्या नियंत्रण ढांचा मजबूत था और क्या हाइड्रोकार्बन अन्वेषण प्रभावी होने में ओएनजीसी की नेतृत्व भूमिका अपेक्षानुसार थी?

लेखापरीक्षा प्रयास न केवल इन प्रश्नों का ओएनजीसी परिप्रेक्ष्य में, अपितु समग्र संस्थागत ढांचे, जिसमें ओएनजीसी प्रचालन करता है, के अनुसार उत्तर देने का प्रयास था। अतः मुख्य पणधारी के रूप में एमओपीएनजी और अपस्ट्रीम सैक्टर के नियामक के रूप में डीजीएच की भूमिका का अध्ययन भी किया गया।

इस लेखापरीक्षा का अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य समुद्र तट पर, गहरे पानी में और छिछले पानी के क्षेत्रों में ओएनजीसी की अन्वेषण कार्यकलापों पर हाल ही के तीन निष्पादन लेखापरीक्षा की सिफारिशों और आपत्तियों, जिसमें लेखापरीक्षा ने 24 सिफारिशें की हैं, पर अनुवर्ती कार्यवाही देखना था। अनुवर्ती कार्यवाही के परिणाम, उन मुद्दों, जिनसे वह संबंधित है, उचित ढंग से इस प्रतिवेदन में शामिल किए गए हैं।

2.2 लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र

निष्पादन लेखापरीक्षा में 2007-08 से 2010-11 की अवधि के ओएनजीसी प्रयास कवर किये गये हैं।

2.3 लेखापरीक्षा मानदण्ड

लेखापरीक्षा मानदण्ड निम्नलिखित स्रोतों से प्राप्त किये गये है:-

- हाइड्रोकार्बन अन्वेषण के संबंध में नीतिगत दस्तावेज़ - भारत हाइड्रोकार्बन विजन 2025 पर दस्तावेज़ी नीति, ओएनजीसी द्वारा मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित एमओयू में निर्धारित लक्ष्य, कंपनी की नीतिगत योजना और वार्षिक योजना में निर्धारित लक्ष्य;
- ओएनजीसी की नीतियां, नियम और विनियम - एनईएलपी ब्लॉकों की अधिप्राप्ति के लिए बोली आमंत्रण के लिए कार्यनीति, नामांकित ब्लॉकों की पुर्न-अनुमति के आवेदन के लिए नियम, ठेका प्रदान करने के लिए निरूपित सामग्री प्रबंधन नियमपुस्तिका और नीतियां, "निदेशक बोर्ड" (बोर्ड) की बैठकों का कार्यवृत्त, नीतिगत बैठकें, मुख्य कार्यकारियों की बैठकें, गुप्त बैठकें, अन्वेषणात्मक बोर्ड बैठकें, संसद के दोनों सदनों की समितियों की रिपोर्ट;
- अन्य राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्लेयर्स के निष्पादन पर आधारित तुलना, आन्तरिक और अन्तर्राष्ट्रीय बैंचमार्क, रिग लोकेटर प्रकाशनों में दर्शाई गई दरें और पंचवर्षीय योजना (एफ वाई पी) से संबंधित दस्तावेज़, वार्षिक योजनाएं, रिग नियोजन योजना, ड्रिलिंग के लिए निर्धारित मानदण्ड, घाटियों के साथ प्रविष्ट निष्पादन ठेके, सेवाओं आदि के साथ घाटियों के साथ प्रविष्ट सर्विस लेवल करार;
- मानव संसाधन नीतियां, सलाहकारों/विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए नीतियां, नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए नीतियां;
- पिछले चार/पांच वर्षों के लिए विभिन्न ई एण्ड पी परिचालनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय डाटा।

2.4 लेखापरीक्षा पद्धति

- लेखापरीक्षा उद्देश्यों, कार्यक्षेत्र और पद्धति पर चर्चा के लिए 12 सितम्बर 2011 को ओएनजीसी प्रबंधन के साथ एक प्रविष्टि कान्फ्रैन्स की गई।
- लेखापरीक्षा ने घाटियों, कारपोरेट कार्यालय, अन्वेषण और विकास निदेशालय, निदेशक (अन्वेषण) के कार्यालय, कारपोरेट योजना सैल, अन्वेषण मानीटरिंग सैल, लागत निर्धारण सैल, निष्पादन प्रबंधन और बेंचमार्किंग सैल, ओएनजीसी के संस्थानों आदि जैसे ओएनजीसी की विभिन्न इकाइयों के अभिलेखों की समीक्षा की और एमओपीएनजी और डीजीएच में भी संबंधित अभिलेखों की समीक्षा की।
- मसौदा लेखापरीक्षा प्रतिवेदन ओएनजीसी को (फरवरी/मार्च 2012) में जारी किया गया। मार्च 2012 में प्राप्त ओएनजीसी के उत्तर पर भी 30 मार्च 2012 को आयोजित एक्ज़िट कान्फ्रैन्स में ओएनजीसी प्रबंधन के साथ चर्चा हुई। ओएनजीसी के उत्तर उपयुक्त ढंग से प्रतिवेदन में शामिल किये गये हैं।
- मार्च, 2012 में मसौदा लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एमओपीएनजी को भी जारी किया गया। मार्च, जून और जुलाई 2012 में अनुस्मारक जारी करने के बावजूद मंत्रालय से आज की तारीख तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

2.5 लेखापरीक्षा नमूना

ओएनजीसी में सभी सात घाटियों को निष्पादन लेखापरीक्षा करने के लिए नमूना चयन की तकनीक के माध्यम से कवर किया गया है। माल और सेवाओं के ठेकों की संवीक्षा के लिए चयन के लिए भी नमूना चयन लागू किया गया है।

- **ब्लॉकों का चयन** - दोनों नामांकन और एनईएलपी ब्लॉक (तटवर्ती और अपतटीय) को निम्नलिखित मानदंड का उपयोग करके चयन किया गया थाः

  - नामांकन ब्लॉक - याद्दच्छिक आधार पर तटवर्ती के लिए पचीस प्रतिशत और अपतटीय के लिए पचास प्रतिशत।
  - एनईएलपी ब्लॉक - याद्दच्छिक आधार पर तटवर्ती पच्चीय प्रतिशत और अपतटीय के लिए पचास प्रतिशत। दोनों नामांकन और एनईएलपी ब्लॉकों में 50 प्रतिशत चालू ब्लॉकों और 50 प्रतिशत अभ्यर्पित ब्लॉकों के लिए करके स्तरीकृत नमूना चयन किया गया था। एनईएलपी VIII (2010 में दिये गये 14 ब्लॉक) का चयन नहीं किया गया था क्योंकि ये ब्लॉक अन्वेषण के पहले वर्ष में थे।

- **कुंओं का चयन** - 2007-11 के दौरान ओएनजीसी ने 457 अन्वेषणात्मक कुएं ड्रिल किये। 20 प्रतिशत नमूना विस्तृत लेखापरीक्षा के लिए चुना गया।

- **खरीद आदेश/सेवा ठेके** - मेटीरियलटी के आधार पर नीचे की ओर जाते हुए क्रम में उच्च मूल्य के ठेकों/खरीद आदेशों का पच्चीस प्रतिशत का चयन किया गया था।

क्रम सं.	क्षेत्र	नमूना आकार प्रतिशत	संख्या	नमूना आकार
1.	"बेसिन" पर ब्लॉक लेखापरीक्षा[13]	तटवर्ती के लिए 25 प्रतिशत और अपतटीय के लिए 50 प्रतिशत	200	94
2.	माल और सेवाओं को किराये पर लेने के लिए ठेके	25 प्रतिशत	191	88

[13] अन्वेषण कार्यकलापों में कार्यरत ओएनजीसी की इकाई (इकाइयों) का तात्पर्य है बेसिन (बेसिनों)।